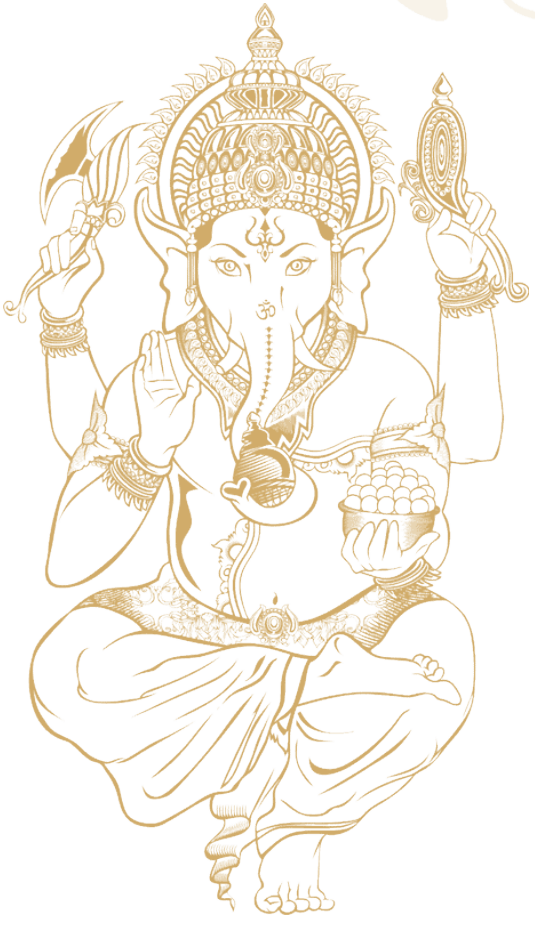

Divyanshu upadhyay

22 Nov 1989

07:05 PM

Ballia

Model: web-freekundliweb

Order No: 121681019

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/11/1989**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:05:00 घंटे**
इष्ट	32:01:33 घटी
स्थान	**Ballia**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:45:00 उत्तर
रेखांश	84:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:11:36 घंटे
वेलान्तर	00:13:55 घंटे
साम्पातिक काल	23:17:40 घंटे
सूर्योदय	06:16:22 घंटे
सूर्यास्त	17:02:37 घंटे
दिनमान	10:46:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:30:48 वृश्चिक
लग्न के अंश	07:38:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

श्री सम्पूर्णानन्द मिश्र (ज्योतिषाचार्य)
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय बैकुंठपुर, देवरिया उ०प्र०
9415895616
sampurnanandmishra3@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:38:44	329:11:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	06:30:48	01:00:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	02:53:24	11:55:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			तुला	18:39:09	00:40:48	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	13:12:06	01:33:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	16:09:51	00:04:45	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	22:46:43	00:53:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			धनु	17:30:18	00:05:55	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
राहु	व		मक	26:45:53	00:04:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	26:45:53	00:04:02	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	09:45:05	00:03:10	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप			धनु	16:54:30	00:01:50	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	21:59:47	00:02:22	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	24:46:17	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:07

लग्न-चलित

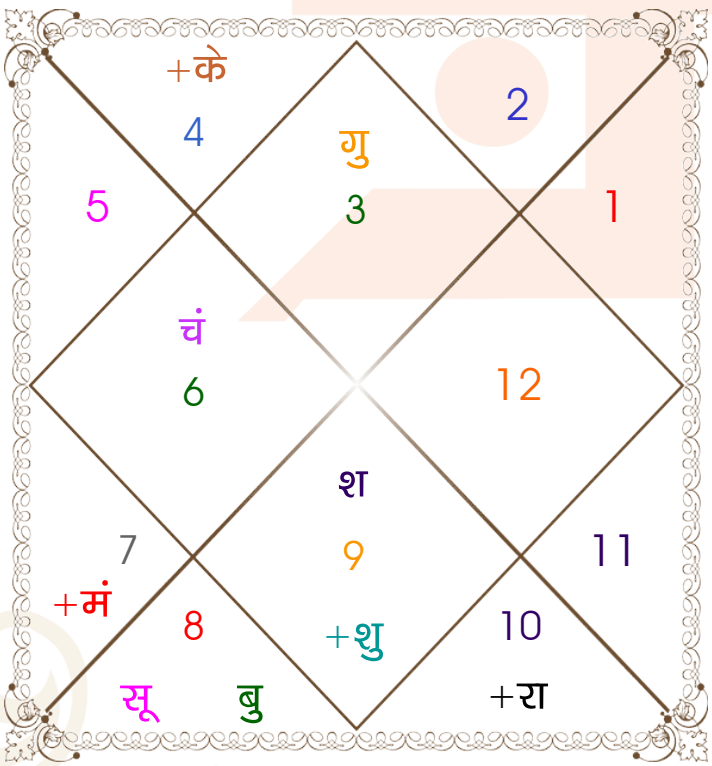

चन्द्र कुंडली

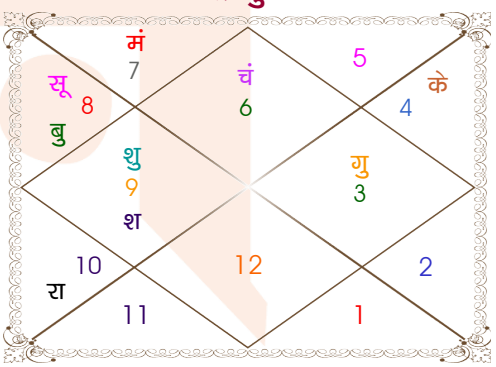

नवमांश कुंडली

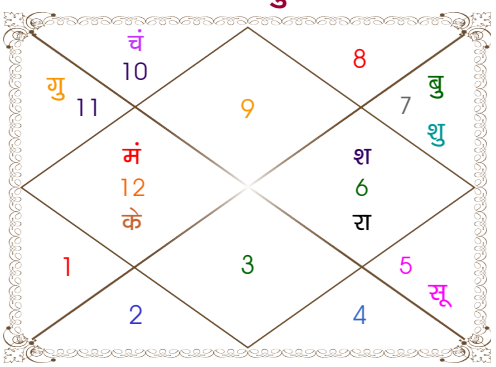

श्री सम्पूर्णानन्द मिश्र (ज्योतिषाचार्य)
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय बैकुंठपुर, देवरिया उ०प्र०
9415895616
sampurnanandmishra3@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 2 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/11/1989		03/02/1993		03/02/2003		03/02/2010		04/02/2028	
03/02/1993		03/02/2003		03/02/2010		04/02/2028		04/02/2044	
	00/00/0000	चंद्र	04/12/1993	मंगल	03/07/2003	राहु	16/10/2012	गुरु	24/03/2030
	00/00/0000	मंगल	05/07/1994	राहु	20/07/2004	गुरु	12/03/2015	शनि	04/10/2032
	00/00/0000	राहु	04/01/1996	गुरु	26/06/2005	शनि	16/01/2018	बुध	10/01/2035
	22/11/1989	गुरु	05/05/1997	शनि	05/08/2006	बुध	04/08/2020	केतु	17/12/2035
गुरु	10/12/1989	शनि	05/12/1998	बुध	02/08/2007	केतु	23/08/2021	शुक्र	17/08/2038
शनि	22/11/1990	बुध	05/05/2000	केतु	29/12/2007	शुक्र	23/08/2024	सूर्य	05/06/2039
बुध	29/09/1991	केतु	04/12/2000	शुक्र	27/02/2009	सूर्य	17/07/2025	चंद्र	04/10/2040
केतु	04/02/1992	शुक्र	05/08/2002	सूर्य	05/07/2009	चंद्र	16/01/2027	मंगल	10/09/2041
शुक्र	03/02/1993	सूर्य	03/02/2003	चंद्र	03/02/2010	मंगल	04/02/2028	राहु	04/02/2044

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/02/2044		03/02/2063		04/02/2080		03/02/2087		04/02/2107	
03/02/2063		04/02/2080		03/02/2087		04/02/2107		00/00/0000	
शनि	06/02/2047	बुध	02/07/2065	केतु	02/07/2080	शुक्र	05/06/2090	सूर्य	25/05/2107
बुध	17/10/2049	केतु	29/06/2066	शुक्र	01/09/2081	सूर्य	05/06/2091	चंद्र	24/11/2107
केतु	25/11/2050	शुक्र	29/04/2069	सूर्य	07/01/2082	चंद्र	03/02/2093	मंगल	30/03/2108
शुक्र	25/01/2054	सूर्य	06/03/2070	चंद्र	08/08/2082	मंगल	05/04/2094	राहु	22/02/2109
सूर्य	07/01/2055	चंद्र	05/08/2071	मंगल	04/01/2083	राहु	05/04/2097	गुरु	23/11/2109
चंद्र	07/08/2056	मंगल	01/08/2072	राहु	23/01/2084	गुरु	05/12/2099		00/00/0000
मंगल	16/09/2057	राहु	19/02/2075	गुरु	28/12/2084	शनि	04/02/2103		00/00/0000
राहु	23/07/2060	गुरु	27/05/2077	शनि	06/02/2086	बुध	05/12/2105		00/00/0000
गुरु	03/02/2063	शनि	04/02/2080	बुध	03/02/2087	केतु	04/02/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

श्री सम्पूर्णानन्द मिश्र (ज्योतिषाचार्य)
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय बैकुंठपुर, देवरिया उ०प्र०
9415895616
sampurnanandmishra3@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

श्री सम्पूर्णानन्द मिश्र (ज्योतिषाचार्य)
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय बैकुंठपुर, देवरिया उ०प्र०
9415895616
sampurnanandmishra3@gmail.com